ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -14 अंक 18 दिसम्बर -II, 2013 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

भारत में उदय हो रहा आध्यात्मिक पॉवर

राजकोट-गुज.। 'द फ्यूचर ऑफ पॉवर' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए नैतेली मिलर, डॉ. भावना जोशीपुरा, मांधातामनोहर सिंह जडेजा, ब्र.कु.भारती, ब्र.कु.निज़ार जुमा, वजुभाई वाला तथा ब्र.कु.अंजु।

राजकोट। 'भविष्य की सत्ता' विषय पर आदिदास स्पोर्टस इक्वीपमेंट अध्यक्ष निज़ार जुमा ने कहा कि वर्तमान समय पश्चिम देशों में पावर है, जिसका उपयोग ज्यादातर हिंसक प्रवृत्ति, सम्पत्ति के संग्रह तथा उपभोगतावाद के रूप में हो रहा है। इक्कीसवीं सदी में यह सत्ता भारत में आ रही है। यह हार्ड पॉवर, सॉफ्ट में रुपांतरित होकर भारत में आयेगा। केवल भारत ही 'सर्वे भवन्तु सुखिना' को चरितार्थ कर सकने में सक्षम है। यहां की आध्यात्मिकता के कारण जीवन में अहिंसा, सुसंवादिता, समानता का व्यवहारिक रूप में प्रयोग करने के कारण ही भारत हार्ड पॉवर को सॉफ्ट पॉवर में परिवर्तित करने में समर्थ है। उन्होंने आगे कहा कि भारत की इस आध्यात्मिकता के कारण ही यहां पूर्व में सुख शांति का साम्राज्य था। वह पुन: इस सदी में वापिस आ रहा है। गुजरात विधान सभा अध्यक्ष वजुभाई वाला ने बताया कि भारतीय संस्कृति व मूल्यों को पुन: स्थापित करने की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत त्याग, समर्पण एवं नैतिकता तथा आध्यात्मिकता के माध्यम से अन्य देशों को मार्गदर्शन दे सकता है।

उन्होंने कहा कि भारत का नागरिक विश्व में कहीं भी गया है, वहां आस्था और प्रमाणिकता के कारण सम्मान पूर्वक स्थान बनाकर अपने देश का गौरव बढ़ाया है। भारत की आध्यात्मिकता, विश्व में आत्मीयता की समझ पैदा करती है।

उन्होंने आगे कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ाने व उन्हें व्यवहारिक रूप देने का उत्तम उदाहरण है। निज़ार जुमा ने कहा कि बताए हुए मार्ग के अनुरूप हमें इस घड़ी से ही जीवन में सद्गुण अपनाने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए।

ईम्पीरियल पैलेस होटेल में 'भविष्य की सत्ता' विषय पर डायलॉग में युवराज मांधातासिंह जाडेजा और अखिल हिन्दु महिला परिषद की मंत्री डॉ. भावना ने भाग लिया। ऑस्ट्रेलिया के फिल्म प्रोड्यूसर नैतेली मिलर तथा यु.के. में नेसले कम्पनी के सलाहकार एन्थनी फिलीप्स ने भी भाग लेकर मार्गदर्शन दिया।

मांधातासिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में सादगी, सहनशीलता, नम्रता, संवादिता और हर व्यक्ति के प्रति सहिष्णुता अपनाना चाहिए। आध्यात्मिक ज्ञान और समझ को जीवन में अपनाकर नैतिकता को दृढ़ बनाना चाहिए। नीति परायणता, आध्यात्मिकता से ही सम्भव है।डॉ. भावना जाशीपुरा ने आंतरिक शक्ति को जागृत कर आध्यात्मिक यात्रा आरंभ करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि अपना जीवन परिवार एवं समाज को सुख पहुँचाने के आधार पर व्यतीत करना चाहिए। उन्होंने ऐसे आध्यात्मिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन बारंबार करने का अनुरोध किया।नैतेली मिलर ने कहा कि गहरी आंतरिक आध्यात्मिकता, आंतरिक खुशी एवं एकाग्रता वाले इन्सान ही समाज का नेतृत्व कर सकते हैं और विश्व को श्रेष्ठ व सुंदर बना सकते हैं। कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्रह्माकुमारीज़ तथा हॉबी सेन्टर के नन्हें-मुन्हें बच्चों ने मन भावन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सबको सद्भावना का संदेश दिया।

अच्छा करने के लिए माइन्ड सेट को बदलने की ज़रूरत है – हुड्डा

गुड़गांव। कलम की ताकत तलवार से भी तेज़ है लेकिन आवश्यकता है उसका सदुपयोग करने की। आज़ादी से पहले जो पत्रकार थे उनका उद्देश्य था अपने देश में स्वतन्त्रता लाना। आज पत्रकारिता एक व्यवसाय बन गई है जो कि देश के लिए एक खतरनाक बात है।

उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के पटौदी रोड स्थित ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर के परिसर में हरियाणा पत्रकार संघ द्वारा आयोजित इण्डियन जर्नलिस्ट यूनियन नैशनल एग्ज़ीक्युटिव कमिटी मीटिंग में हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जो अपने उद्देश्यों और कर्तव्यों को एक रोज़गार के रूप में प्रयोग करता है वह देश का हितकारी नहीं। हमें अपने कर्तव्यों को समझना चाहिए, चाहे वो पॉलीटिशियन हो, चाहे पत्रकार, तभी हम अपने देश के साथ न्याय कर सकेंगे। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छा लिखने के लिए अपने माइन्ड सेट को बदलने की ज़रूरत है। लिखते समय ध्यान दें कि इसका समाज पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा या बुरा। कोई भी गलत खबर ना

गुड़गांव। इण्डियन जर्नलिस्ट यूनियन नैशनल एग्ज़ीक्युटिव कमेटि मीटिमे मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा संबोधित करते हुए साथ में ब्र.कु.आशा,ब्र.कु.चक्रधारी।

अपने हित में ठीक है और ना ही समाज के लिए। उन्होंने ओ.आर.सी की सराहना करते हुए कहा कि यहां पर मैं कई बार आया हूँ लेकिन जब भी आया हूँ ईश्वरीय शक्ति लेकर ही गया हूँ। इस संस्था की सबसे बड़ी विशेषता है कि ये किसी से कुछ लेते नहीं बल्कि देते ही देते हैं। इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रीसिपल सेक्रेटरी ब्र.कु. बृजमोहन ने अपने वक्तव्य में कहा कि हर बुराई में अच्छाई ज़रूर होती है, इसलिए हम बुराई को अधिक महत्व न देकर अच्छाई का प्रचार करें। जो भी न्यूज़ पढ़े वह उदास होने के बजाय खुश हो जाए। ओ.आर.सी की निदेशिका ब्र.कु. आशा ने इस बीच अपने विचारों को रखते हुए कहा कि अगर जीवन में मूल्यों और सिद्धान्तों को पैदा करें और उन्हें दृढ मनोबल से अपनाएं तो विकास स्वत: होगा।